

बस इतना है अपना सपना

तृप्ति कुमारी

है मेरा एक सपना
जाने सारा जमाना
महफ़िलों में गुन्जें तराना
पढ़ें लोग मेरी रचना
रहूँ दिलवालों की बस्ती में
जिऊ ज़िंदगी मस्ती में
मिले किस्ती सहिल से
सब लोग चाहे दिल से
सदा जीवन और उच्च विचार
का करूँ मई सदा प्रचार
बेसहारों का बनूँ सहारा
सबके दिल में हो भाईचारा
सबके लिए मैं अपना
मेरे लिए सब अपना
बस इतना है अपना सपना